



लखनऊ अपनी तीखी टिप्पणियों के लिए प्रतिपक्षी दलों के नशाने पर रहने वाले उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री आजम खां इस बार अपने मातहत कर्मचारियों के नशाने पर हैं, जिन्होंने उन पर 'अभ्रद और अपमानजनक' भाषा का उपयोग करने का आरोप लगाते हुए अन्यत्र नयिक्ता की गुहार की है, जबकि इसी मुद्दे पर राज्य सचिवालय संघ ने उन्हें मंत्री पद से हटा जाने की मांग भी उठा दी है।

आजम के मातहत काम कर रहे उनके नज्दी सचिवों जीवन सहि नेगी तथा वजिय बहादुर सहि, अतरिक्ती नज्दी सचिवों अवधेश कुमार तवारी, मुक्तीनाथ झा, सर्वेश कुमार मशिर्, मोहम्मद नईम सद्दीकी तथा स प्रजापति ने क्त मुख्य सचिव के क पत्र लिखकर आग्रह किया है कि उन्हें कहीं अन्यत्र नयिक्ता दे दी जा।

उत्तरप्रदेश सचिवालय संघ के अध्यक्ष यादवेन्द्र मशिर् ने बताया, "आजम खां के मातहत काम कर रहे सात कर्मचारियों ने मुख्य सचिव के दि पत्र में उनके वरिद्ध अभ्रद और अपमानजनक भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया है। मंत्री महोदय के दुरव्यवहार के कारण उनके मातहत कर्मचारियों में तनाव है और वे उनके साथ काम करना नहीं चाहते। उन्हें मंत्री पद से हटाया जाना चाहिए। या फिर उन्हें बना विभाग का मंत्री बना दिया जाना चाहिए।"

कसवाल के जवाब में मशिर् ने कहा कि मुख्य सचिव के भेजे पत्र पर शहर से बाहर होने के कारण सद्दीकी और प्रजापति के दस्तखत नहीं हैं। हालांकि वे बाकी पांचों कर्मचारियों की भावनाओं से सहमत हैं।

मशिर् ने बताया कि सचिवालय संघ ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और मुख्यमंत्री तथा मुख्य सचिव से प्रभावी हस्तक्षेप के आग्रह किया है।

उन्होंने कहा, "मंत्री महोदय अपने मातहत जनि कर्मचारियों और अधिकारियों के कम से संतुष्ट नहीं हैं, उन्हें अन्यत्र तैनाती दे देनी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि मंत्री महोदय अपने मातहतों के साथ अभ्रद भाषा का इस्तेमाल न करें।"

मशिर् ने सततारुढ दल के चेतावनी के स्वर में कहा कि यदि प्रदेश सरकार राज्य कर्मचारियों के सम्मान की रक्षा कर पाने में विफल रहती है तो 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सबसे अधिक सीटें जीतने का उसका सपना चक्काचूर हो जागा।

सचिवालय कर्मचारी यूनियन के नेता अंजनी गुप्ता ने भी नगर विकास मंत्री के व्यवहार से उनके साथियों की पी। के प्रति सहानुभूति जतायी है और हर ल।ई में उनके साथ होने की बात कही है।

सचवालय प्रशासन के कवरषल अधकरी ने सम्प्रककने पर आजम केमातहत नजी सचवों और अपर सचवों क पत्र प्राप्त होने की बात स्वीकर की है मगर ब्यौरा देने से इन्कर किया है

(भाषा)